सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 131 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 16 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

ज्ञान को लगातार सुधारना, चुनौती देना, और बढ़ाना होता है, नहीं तो वो गायब हो जाता है।

-पीटर ड्रकर

पैरा पावरलिफ्टिंग विश्वकप के लिए... 7 | योगी राज में खूब फल-फूल रहा... 3 | सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव ने... 2

जहां-जहां बीजेपी की सरकार वहां-वहां हादसे!

संजय राउत ने फडणवीस सरकार को बताया पनौती

- प्रमोद तिवारी ने कहा हादसों की बीजेपी सरकार
- महाराष्ट्र में हादसों पर राजनीति, संजय राउत ने राज्य सरकार को बताया पनौती
- भारत में हर साल सड़क हादसों में लगभग 1.5 लाख लोग मारे जाते हैं
- धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण की विफलता से औसतन हर साल 100 से अधिक जानें जाती हैं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हवा में राख बनते सपने सड़कों पर बिखरती सांसें और पवित्र घाटों पर मौत की चुप्पी। हाल में घटित कुछ घटनाओं ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये है। पुणे का पुल हादसा और उत्तरखंड में गिरते हेलीकॉप्टर ने नये सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है कि यह हो क्या रहा है?

इन हादसों पर राजनीतिक पार्टियों ने सवाल खड़े किये हैं और कहना शुरू कर दिया है कि हादसे वहीं हो रहे है जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं। शिव सेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार को महाराष्ट्र के लिए पनौती बताया है। वहीं राज्य सभा संसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि बीजेपी से देश संभल नहीं पा रहा और अव्यावस्थाओं की भेट चढ़ गया है।

2015 से 2023 के बीच देश में 89 एयरक्राफ्ट क्रैश और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुईं

पनौती है महाराष्ट्र सरकार

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटने और मालवण में शिवाजी महाराज के स्टैच्यू का चबूतरा धंसने के बाद महाराष्ट्र में राजनीति गरमाने लगी है। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने हालिया घटनाओं और हादसों को लेकर सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे पनौती करार दिया। संजय राउत ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा है कि जब से देवेंद्र फडणवीस दोबारा मुख्यमंत्री बने हैं, तब से राज्य को पनौती लगी है। अहमदाबाद में जो हादसा हुआ उसमें महाराष्ट्र के 15-16 लोग मर गए। रविवार को आपने देखा होगा कि मालवण में शिवाजी महाराज का जो स्टैच्यू है, वहां चबूतरा धंस गया है।

जिम्मेदार कौन? क्या हुई कार्रवाई

उत्तर प्रदेश का कुंभ हादसा

प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान हुए भगदड़ और अव्यवस्था से हुई दर्जनों लोगों की मौतें शायद सबसे ज्यादा शर्मनाक हैं। जहां एक ओर प्रशासन ने कुशल प्रबंधन के दावे किए लेकिन हादसे के बाद भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त, निकास मार्ग, मेडिकल सुविधा और सुरक्षा बंदोबस्त की पोल खुल गयी। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हुए उनमें घायल श्रद्धालु चिल्लाते रहे लेकिन उन्हें मदद नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। लेकिन जो लोग हादसे के शिकार हुए क्या उन्हें केवल शब्दों से संतोष मिलेगा?

श्रद्धा की उड़ान मौत में तब्दील

केदारनाथ यात्रा पर गए श्रद्धालुओं को लेकर उड़ रहा हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हो गया। यह पहला हादसा नहीं था। पिछले चार वर्षों में चार हेलीक्रैश इसी इलाके में हो चुके है। इस बार भी हादसे का कारण वही पुराना है। खराब मौसम के बाद भी उड़ान की अनुमति

देना। मौसम और लो विजिबिलिटी की चेतावनी के बावजूद भी उड़ान की अनुमति कैसे दी गई? डीजीसीए की गाइडलाइन्स क्यों उपेक्षित की गईं? हादसे के बाद जहां यात्रियों के परिजन बेसुध हो रो रहे थे वहीं टूर कंपनियों ने प्राकृतिक कारण का हवाला देकर खुद को क्लीन चिट दे दी। सरकार ने हादसे की जांच की बात कही मुआवजा घोषित किया लेकिन अभी तक न तो कोई स्थायी नीति बनी है और न हेली सेवा की समीक्षा।

पुणे हादसे के लिए सरकार जिम्मेदार

महाराष्ट्र के पुणे जिले के इंद्रायणी नदी पर बने पुल ढहने से 4 लोगों की मौत पर कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और जो भी इसके पीछे दोषी हो, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार सिर चढ़ कर बोल रहा है। इनसे क्या उम्मीद लगा सकते हैं। इस घटना के पीछे जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे संबंधित मंत्री को तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए। जरूरी है कि उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज होनी चाहिए।

100 से ज्यादा लोग पानी में बह गए

संजय राउत के मुताबिक पुणे जिले में जो एक ब्रिज है, वो टूट गया। 100 से ज्यादा लोग पानी में बह गए। उनमें से अभी तक 40 लोग लापता हैं। राउत ने इंद्रायणी नदी पर बने पुल के ढहने की घटना को गंभीरता से उठाया।

उन्होंने कहा, पुल बनाने के लिए सरकार ने पहले ही 8 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी, लेकिन सरकार के खजाने में पैसा नहीं है। इस तरह से एकाएक हादसों में लोग मारे जा रहे हैं।

निजीकरण का खामियाजा जनता क्यों भुगते : प्रमोद तिवारी

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसा, केदारनाथ हेलीकॉप्टर क्रैश और पुणे पुल हादसे को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस सरकार में जिस तरह से निजीकरण हुआ आज इसी का खामियाजा भुगतना पड़ा है। कांग्रेस सांसद ने कहा है कि एक बार जब बंगाल में पुल गिरा था तो पीएम मोदी ने कहा था कि बंगाल से ममता बनर्जी की सरकार जाने वाली है। हाल की घटनाओं पर गौर करें तो अहमदाबाद, उत्तराखंड और पुणे में जो हादसे हुए, वहां प्रदेश में भाजपा की सरकार है। केंद्र में भी इनकी सरकार है, तो क्या मान लें कि इनकी सरकार जाने वाली है।

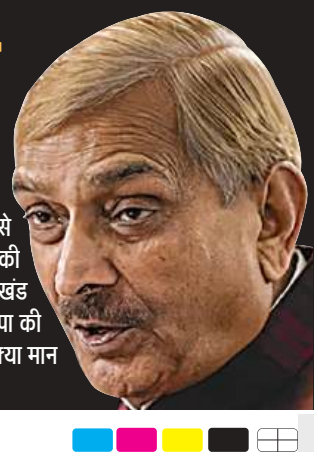

सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव ने भाजपा को राजनीतिक गिरोह करार दिया

» स्वदेशी के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा को राजनीतिक गिरोह करार दिया और आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार अपराधियों, भू-माफियाओं और भ्रष्टाचारियों की संरक्षक बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश अराजकता की गिरफ्त में है और आम जनता बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने भाजपा को एक राजनीतिक गिरोह बताया जो अपराधियों की शरणस्थली बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा में अपराधियों की भरमार है। भू-माफियाओं को खुलकर प्रश्रय दिया जा रहा है। सरकारी जमीनों और गरीबों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही है डबल इंजन सरका की उपलब्धि। अखिलेश यादव ने भाजपा और आरएसएस को स्वदेशी के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और भाजपा नेता स्वदेशी की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि आज देश का बाजार चीनी उत्पादों से पट चुका है। उन्होंने सवाल किया कि केन्द्र सरकार चीनी सामानों पर रोक क्यों नहीं लगाती? क्या उसे अपने ही देश के कारीगरों, मजदूरों और लघु उद्यमों की कोई परवाह नहीं? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों में स्वदेशी प्राथमिकता में ही नहीं है। भाजपा की कथनी और करनी में भारी अंतर है। एक तरफ बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और दूसरी ओर जमीनी सच्चाई बिलकुल अलग होती है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब भाजपा की सच्चाई जान चुकी है और उनके झूठे वादों से ऊब चुकी है। भाजपा सरकार केवल समाजवादी सरकार द्वारा किये गये कार्यों का ही उद्घाटन कर रही हैं। गंगा एक्सप्रेसवे हो या मेडिकल कॉलेज अधिकतर योजनाएं समाजवादी पार्टी की देन हैं, जिनका फीता भाजपा काट रही है, उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कहा।

शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली सब बर्बाद

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। पुलिस और प्रशासन अपराधियों के आगे बेबस दिखते हैं। हर विभाग में भ्रष्टाचार जड़ें जमा चुका है। नौकरियों में घोटाले, ठेकों में लूट, और योजनाओं में कमीशनखोरी ने सरकार की साख को मिट्टी में मिला दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा, शिक्षा का स्तर गिर चुका है, स्वास्थ्य सेवाएं दम तोड़ रही हैं, बिजली की आपूर्ति अव्यवस्थित है और कानून व्यवस्था का हाल किसी से छिपा नहीं है। प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। भाजपा की पहचान अब लूट, बेईमानी और धोखाधड़ी बन गई है।

2027 में भाजपा की विदाई का भरोसा

अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि 卐उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा की धांधली स्कीम को ध्वस्त कर देगी। जनता भाजपा की कोई साजिश सफल नहीं होने देगी।卐 उन्होंने कहा कि जनता अब पूरी तरह जागरूक है और पन्ना प्रमुख जैसे कार्यक्रम अब काम नहीं आने वाले हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश की जनता जान की बाजी लगाकर भी लोकतंत्र को बचाएगी और भाजपा की अलोकतांत्रिक रणनीतियों का डटकर मुकाबला करेगी।

राजनीतिक समीकरण और संदेश

अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय आया है जब भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। हाल ही में कई घोटाले और कानून व्यवस्था की घटनाओं को लेकर प्रदेश सरकार की आलोचना हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश यादव अब 2027 की रणनीति बनाने में जुट चुके हैं और उनका यह आक्रामक तेवर आगामी विधानसभा चुनाव की नींव रखने का संकेत है। इसके जरिए वे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरना और जनता को संदेश देना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी ही भाजपा का असली विकल्प है।

मथुरा में मकान ढहने से तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा के गोविंदनगर थाना इलाके में एक टीले पर बने मकान ढहने से 3 लोगों की मौत हो गयी है। मथुरा के जिलाधिकारी सीपी सिंह ने बताया है कि इस संबध में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि रविवार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। 35 वर्षीय व्यक्ति के अलावा दो बच्चियों की मौत हुई थी।

उन्होंने बताया कि मदद के तौर पर पीड़ित परिवारों को प्रशासन ने सहायता प्रदान की और उन्हें शेल्टर उपलब्ध कराए गए। पीड़ितों को अन्य मदद भी दिलाई जा रही है। रेस्क्यू लगभग पूरा हो चुका है। बरसात की वजह से घटनास्थल पर मलबे को नहीं हटाया गया है। आरोप है कि टीले पर अवैध रूप से खुदाई का काम चल रहा था। एक व्यक्ति दीवार बनाते समय टीले पर मिट्टी हटा रहा था। इसी बीच अचानक ऊपर बने मकान ढह गए। घटना के बाद आरोपी के खिलाफ लोगों में आक्रोश दिखा। महिलाओं ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर प्रदर्शन किया।हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर गईं। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू चलाया गया। बाद में 3 शव बरामद हुए।

देश में दो चरणों में होगी जनगणना, अधिसूचना जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में जनगणना दो चरणों में होगी और इसे लेकर केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जनगणना और जातीय जनगणना से संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

वैसे तो भारत में जनगणना हर 10 साल बाद होती है, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से जनगणना टल रही थी लेकिन अब नोटिफिकेश जारी होने के बाद क्लियर हो गया है कि जनगणना का काम जल्द शुरू हो जाएगा। अगली जनगणना 2035 में कराई जाएगी kभारत में जनगणना दो चरणों में होगी और इसे लेकर केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जनगणना और जातीय जनगणना से संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। वैसे तो भारत में जनगणना हर 10 साल बाद होती है, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से जनगणना टल रही थी लेकिन अब नोटिफिकेश जारी होने के बाद क्लियर हो गया है कि जनगणना का काम जल्द शुरू हो जाएगा। अगली जनगणना 2035 में कराई जाएगी।

10 प्वाइंट्स में सबकुछ जानें जनगणना के बारे में

- इस बार जनगणना की प्रक्रिया दो फेज में होगी, जिसका पहला चरण एक अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम चरण एक मार्च 2027 तक पूरा होगा और एक मार्च 2027 को रेफरेंस डेट माना जाएगा, यानी उस समय देश की जनसंख्या और सामाजिक स्थिति का जो भी आंकड़ा होगा, वही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा और फिर ये आंकड़े सार्वजनिक कर दिए जाएंगे, जिसे आप भी जान सकेंगे।
- पहाड़ी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में जनगणना की प्रक्रिया अन्य राज्यों से पहले अक्टूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। इसका कारण है यहां का मौसम और ठंड, इन राज्यों के लिए एक अक्टूबर 2026 को रेफरेंस डेट माना जाएगा।
- जनगणना की पूरी प्रक्रिया एक मार्च 2027 तक खत्म हो जाएगी, यानी कि पूरी प्रक्रिया लगभग 21 महीनों में पूरी होगी।
- इसके बाद जनगणना का प्राइमरी डेटा मार्च 2027 में जारी होगा, जबकि डिटेल डेटा जारी होने में दिसंबर 2027 तक का वक्त लगेगा।
- इसके बाद लोकसभा और विधानसभा सीटों का सिलसिलेवार परिसीमन 2028 तक शुरू होगा इस दौरान महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण भी लागू किया जा सकता है। यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले-पहले महिलाओं के लिए रिजर्वेशन की तस्वीर साफ हो सकती है।
- अब आप सोच रहे होंगे कि कैसे होती है जनगणना, तो जनगणना से पहले प्रोफॉर्मा तैयार किया जाता है, जिसमें हाउसिंग सेंसस और पॉपुलेशन सेंसस के लिए प्रश्नावली होती है।
- इस बार की जनगणना में जाति और संप्रदाय से संबंधित सवाल भी शामिल किए जा सकते हैं। इस बार की जनगणना में करीब 34 लाख कर्मचारी हिस्सा लेंगे, जिनकी ट्रेनिंग होगी।
- डिजिटल गणना के लिए सॉफ्टवेयर में जाति, उप-जाति और OBC के लिए नए कॉलम और मेन्यू शामिल किए जाएंगे।
- हाउसिंग सेंसस के प्रोसेस के दौरान घरों की लिस्ट तैयार की जाती है और आवासीय स्थिति, सुविधाओं, और संपत्ति से संबंधित जानकारी जमा कर ली की जाती है। इस प्रक्रिया में पर्यवेक्षक घर-घर जाकर सवाल पूछते हैं।
- इस बार की जनगणना में 30 सवाल पूछे जा सकते हैं, जिनमें नाम, आयु, लिंग, जन्म तिथि, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा, रोजगार, धर्म, जाति, और उप-संप्रदाय, परिवार के मुखिया के साथ रिश्ता, आवासीय स्थिति और प्रवास से जुड़े सवाल शामिल होंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जातिगत जनगणना के लिए बजट एलाट करे सरकार : सुखदेव भगत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जातिगत जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। इस पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कहीं यह एक और नारा बनकर न रह जाए। इसके लिए सरकार को उचित बजट आवंटित करना चाहिए। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा है कि सरकार देर आयी है लेकिन दुरूस्त आयी है।

उन्होंने कहा कि मैं यह भी कहना चाहूंगा कि यह सिर्फ एक और नारा बनकर न रह जाए। अधिसूचना के साथ ही सरकार को इसके लिए उचित बजट भी आवंटित करना चाहिए क्योंकि इन खर्चों के लिए अभी तक कोई अलग से प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाएं न हों। पीएम मोदी के तीन दिवसीय विदेश दौरे को लेकर सवाल किए जाने पर उन्होंने इतिहास याद दिला दिया।

राहुल गांधी दूरदर्शी नेता

उन्होंने कहा कि मैं यह कहूंगा कि राहुल गांधी एक दूरदर्शी नेता हैं, जिनकी बातों पर लोग अमल कर रहे हैं, क्योंकि वे जनता और देश के लिए बोलते हैं और उनकी कही बातें सच साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि चाहे केदारनाथ हेलीकॉप्टर दुर्घटना हो या पुणे में पुल ढहने की घटना, हर जगह सुरक्षा मानकों को बनाए रखा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि सरकार को किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा से समझौता नहीं करना चाहिए। भारी बारिश वाले क्षेत्रों में, सरकार को सभी राज्यों को निर्देश जारी करना चाहिए कि वे कमजोर संरचनाओं का आकलन करें और नागरिकों को उनका उपयोग न करने के लिए सचेत करें।

योगी राज में खूब फल-फूल रहा भ्रष्टाचार

आईआरएस अधिकारी ने बनाई करोड़ों की संपत्ति

» जांच में खुलासा, बीजेपी सरकार पर उठे सवाल!

» सीबीआई के निशाने पर हैं अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आयकर विभाग के 1999 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी और पूर्व अपर आयुक्त अमित निगम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत ने 2 जून 2025 को एक अड-इंटरिम आदेश जारी कर अमित निगम और उनके परिवार के नाम पर दर्ज 14 अचल संपत्तियों को अटैच करने का आदेश दिया है। जिनकी कुल कीमत 7.5 करोड़ रुपये से अधिक है, ये संपत्तियां उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, लखनऊ, हरदोई, बाराबंकी और गोवा में फैली हुई हैं।

सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ है कि निगम ने अपनी वैध आय से छह गुना अधिक संपत्ति अर्जित की। जिसमें कई संपत्तियां बेनामी बताई जा रही हैं। आपको बता दें कि सीबीआई ने 22 सितंबर 2022 को अमित निगम के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(2), 13(1)(ई) के तहत आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था वहीं जांच का नेतृत्व सीबीआई के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस कमल प्रकाश शर्मा कर रहे हैं, जांच का दायरा 1 जनवरी 2008 से 30 जून 2018 तक की अवधि तक सीमित है। जब निगम आयकर विभाग में विभिन्न पदों जैसे डिप्टी कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर और अपर आयुक्त के रूप में दिल्ली, मुरादाबाद, लखनऊ, गाजियाबाद और अन्य स्थानों पर तैनात थे। सीबीआई के अनुसार इस अवधि में निगम की कुल वैध आय 1.26 करोड़ रुपये थी, जो मुख्य रूप से उनकी सैलरी से प्राप्त हुई। हालांकि जांच में पाया गया कि उन्होंने और उनके परिवार ने 7.52 करोड़ रुपये की संपत्तियां अर्जित की। जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 600फीसदी से अधिक है, इनमें से 14 अचल संपत्तियां जिनमें से कई बेनामी हैं, जो गाजियाबाद, लखनऊ, हरदोई, बाराबंकी और गोवा में स्थित हैं। इन संपत्तियों में फ्लैट, प्लॉट और अन्य अचल संपत्तियां शामिल हैं। जिनमें से छह संपत्तियां उनके परिवार और रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज हैं। सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि निगम ने अपनी आय को छिपाने और अवैध संपत्तियों को वैध दिखाने के लिए बेनामी लेनदेन का सहारा लिया बेनामी संपत्तियां ऐसी संपत्तियां होती है, जो किसी और के नाम पर खरीदी जाती हैं ताकि वास्तविक मालिक की पहचान छिपाई जा सके वहीं इस मामले में निगम ने अपने परिवार और रिश्तेदारों के नाम पर संपत्तियां खरीदीं, ताकि उनकी आय और संपत्ति के बीच के अंतर को छिपाया जा सके। सीबीआई ने इन संपत्तियों को ट्रैक करने के लिए गहन जांच की जिसमें दस्तावेजों, बैंक खातों और संपत्ति रजिस्ट्रियों की गहन छानबीन शामिल थी।

आईआरएस अमित निगम

अमित निगम दो दशकों से आयकर विभाग में जमे

अमित निगम 1999 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं और उन्होंने आयकर विभाग में लगभग दो दशकों तक विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उनकी तैनाती दिल्ली, मुरादाबाद, लखनऊ, गाजियाबाद और अन्य शहरों में रही जहां उन्होंने डिप्टी कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर और अपर आयुक्त जैसे पदों पर काम किया। इन पदों पर रहते हुए उनके पास आयकर विभाग के कई महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी थी। जिसमें कर निर्धारण, अपीलों की सुनवाई और कर चोरी की जांच शामिल थी। हालांकि सीबीआई की जांच में यह आरोप है कि निगम ने इन पदों का दुरुपयोग कर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की।. जांच में यह भी पाया गया कि उन्होंने अपनी आय को छिपाने के लिए जटिल वित्तीय लेनदेन किए। जिसमें बेनामी संपत्तियों का उपयोग और परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्ति खरीदना शामिल था। सीबीआई ने निगम के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(2) 13(1)(ई) के तहत मामला दर्ज किया है धारा 13(1)(ई) किसी लोकसेवक द्वारा अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने को आपराधिक कदाचार मानती है। जबकि धारा 13(2) इस अपराध के लिए सजा का प्रावधान करती हैइस धारा के तहत दोषी पाए जाने पर सात साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है।

पूरे राज्य में सीबीआई कर रही छापेमारी

गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत ने 2 जून 2025 को इन 14 संपत्तियों को अटैच करने का अड-इंटरिम आदेश जारी किया। जिसका मतलब है कि इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और निगम या उनके परिवार के सदस्य इनका ट्रांसफर या बिक्री नहीं कर सकते है। यह आदेश सीबीआई की जांच में मिले ठोस सबूतों के आधार पर जारी किया गया जो दर्शाता है कि निगम ने अपनी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग कर भ्रष्ट तरीकों से धन अर्जित किया।

पूरे भारत में है सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार का आतंक

आपको बता दें कि अमित निगम का मामला भारत में सरकारी अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की समस्या को उजागर करता है। सीबीआई की इस कार्रवाई ने न केवल निगम की अवैध संपत्तियों को उजागर किया। बल्कि यह भी दिखाया कि जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के खिलाफ कितनी गंभीर हैं। यह मामला अन्य अधिकारियों के लिए एक चेतावनी है कि उनकी गतिविधियां निगरानी में हैं। और भ्रष्टाचार के किसी भी प्रयास को बख्शा नहीं जाएगा।

आम जनता की भी नजर

जैसा कि जांच आगे बढ़ रही है, आम जनता और विशेषज्ञ इस मामले पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। यह देखना बाकी है कि क्या निगम अपनी संपत्तियों के स्रोत को साबित कर पाएंगे या सीबीआई की जांच उनके भ्रष्टाचार के और गहरे राज खोलेगी। यह तो आने वाला वक्त तय करेगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई की कठोर कार्रवाई

वहीं सीबीआई ने इस मामले में निगम के परिवार और रिश्तेदारों की भूमिका की भी जांच की क्योंकि कई संपत्तियां उनके नाम पर दर्ज हैं, जांच में यह भी देखा जा रहा है कि क्या निगम ने अपने आधिकारिक पद का उपयोग कर करदाताओं से अनुचित लाभ लिया या किसी अन्य भ्रष्ट गतिविधि में शामिल थे। आपको बता दें कि कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई की कठोर कार्रवाई का उदाहरण है, विशेषज्ञों का कहना है कि बेनामी संपत्तियों को ट्रैक करना और उन्हें अटैच करना एक जटिल प्रक्रिया है। लेकिन सीबीआई की इस कार्रवाई से भ्रष्ट अधिकारियों को सख्त संदेश मिलेगा।बता दें कि सीबीआई ने इस मामले में अपनी जांच को और गहरा करने का फैसला किया है, जांच एजेंसी अब निगम के अन्य वित्तीय लेनदेन बैंक खातों और संभावित सहयोगियों की जांच कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि क्या निगम ने अपने पद का दुरुपयोग कर किसी विशेष करदाता या समूह को अनुचित लाभ पहुंचाया। गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत में इस मामले की अगली सुनवाई जल्द ही होने की उम्मीद है। जिसमें निगम को अपने बचाव में जवाब देना होगा यदि वे अपनी संपत्तियों के लिए वैध स्रोत साबित नहीं कर पाए। तो इन संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त किया जा सकता है और उनके खिलाफ आपराधिक सजा भी हो सकती है।

अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं अधिकारी

बता दें कि सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि निगम ने अपनी आयकर विभाग की स्थिति का लाभ उठाकर कई अवैध गतिविधियों में हिस्सा लिया। इनमें करदाताओं से अनुचित लाभ लेना और उनकी संपत्तियों को छिपाने के लिए जटिल वित्तीय नेटवर्क का उपयोग करना शामिल है। जांच में शामिल डीएसपी कमल प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस मामले में और भी गहन जांच की जा रही है, ताकि निगम और उनके सहयोगियों के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। जैसे ही सीबीआई ने निगम के खिलाफ मामला दर्ज किया, उन्हें आयकर विभाग से निलंबित कर दिया गया। यह निलंबन 22 सितंबर 2022 को हुआ। जब सीबीई ने उनके खिलाफ औपचारिक रूप से जांच शुरू की। निलंबन के बाद सीबीआई ने उनकी संपत्तियों, बैंक खातों और अन्य वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जिसके परिणामस्वरूप 14 अचल संपत्तियों की पहचान हुई। इन संपत्तियों में से कुछ का मूल्यांकन कई करोड़ रुपये में किया गया है। जो निगम की वैध आय से कहीं अधिक है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट, संरक्षण की जरूरत

धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्त: लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र को रौंद रहा है ट्रंप प्रशासन

पुष्परंजन

आप ट्रंप के पूर्वजों के बारे में पता कीजिये। वो खांटी अमेरिकन्स नहीं हैं। फ्रेडरिक ट्रम्प, डोनाल्ड ट्रम्प के दादा थे। जर्मनी के राइनलैंड वाले इलाके के काल्स्टेड्ट में जन्मे और पले-बढ़े, जो उस समय बावेरिया का हिस्सा था। जर्मन हैं, तो फ्रेडरिक ट्रम्प को सैन्य सेवा में अनिवार्य रूप से कुछ वर्षों के लिए जाना होता। इससे भागना ही फ्रेडरिक ट्रम्प ने तय किया। फ्रेडरिक ट्रम्प किशोरावस्था में नाई का काम करते थे। 7 अक्टूबर, 1885 को अमेरिका के लिए वन वे टिकट लेकर जहाज पर चढ़े, और फिर मुड़ कर नहीं देखा। वह न्यूयॉर्क पहुंचे, जहां उन्होंने अंततः अपना परिवार बसाया और एक रियल एस्टेट व्यवसाय में कर्मचारी से कारोबारी बन गए। फ्रेडरिक ट्रम्प के बेटे और पोते ने इस जर्मन विरासत को पूरी तरह से नकार दिया, इसके बजाय दावा किया कि उनके दादा की जड़ें स्कैंडिनेविया में उत्तर की ओर थीं। ट्रम्प ने अपनी सह-लिखित पुस्तक 'द आर्ट ऑफ द डील' में दावा किया, 'मैं एक बच्चे के रूप में स्वीडन से यहां आया था।

पिता जर्मन, मां स्कॉटिश।' इमिग्रैंट बैकग्राउंड वाले वही ट्रम्प, आप्रवासियों के पीछे हाथ धोकर पड़े हैं। लॉस एंजेलिस में इमिग्रेशन छापों को लेकर हिंसक विरोध हुआ है। लोगों को काबू करने के वास्ते 2,100 नेशनल गार्ड को लॉस एंजेलिस में तैनात किया गया है। इसके अलावा 700 मरीन भेजे गए हैं। अब यहां नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। न्यूसम पहले ही कह चुके हैं कि ट्रंप इस आग को और भड़का रहे हैं, और वह यही चाहते थे। साफ लगता है, आर्थिक मोर्चे पर फेल ट्रम्प देश का ध्यान आव्रजन नीतियों में उलझाए रखना चाहते हैं। लॉस एंजेलिस में हालात बेकाबू हैं। ट्रम्प के बारे में यही कहा जा रहा है, कि उनका व्यवहार तानाशाहों वाला हो चुका है। ट्रम्प के जीवनी लेखक टिम ओ ब्रायन ने कहा, 'बदला वह ऑक्सीजन है, जो उन्हें बचाए रखती है।' और उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे छोटे-मोटे लोगों को रखा है जो उनकी खूब चापलूसी करते हैं।

मसखरे जैसे दिखने वाले लोग कैबिनेट बैठकों में उनका शौर्य बखान करते हैं। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने तो अपने कॉलर पर सुनहरे रंग का ट्रंप का सिर भी लटका रखा है। ठीक वैसे ही जैसे माओवादी करते थे। अराजकता के सम्राट ट्रंप का

जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को गौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। 1965 से पहले, अमेरिकी आव्रजन कानून उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के आप्रवासियों के हित में था, इनकी कोशिश थी, कि एशिया से आप्रवास को प्रतिबंधित किये रखें। 1965 के आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम ने एशिया और लैटिन अमेरिका से आप्रवास के दरवाजे खोल दिए। वर्ष 1990 के आव्रजन अधिनियम ने कानूनी आव्रजन को और भी शिथिल किया, जिससे बाकी देशों के अनिवासियों को कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई। 34.7 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में विदेश से आये लोगों की संख्या, 2023 में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, चार करोड़ 78 लाख तक पहुंच गई, जो 2022 के मुकाबले, 16 लाख अधिक है। यह 2000 के बाद से 20 से अधिक वर्षों में सबसे बड़ी जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1970 में, अमेरिका में रहने वाले आप्रवासियों की संख्या आज की तुलना में लगभग पांचवां हिस्सा थी। 1965 में कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन कानूनों में बदलाव किए जाने के बाद इस जनसंख्या की वृद्धि में तेजी आई। ठीक से देखा जाये, तो ओरिजिनल अमेरिकी केवल दस फीसद हैं। आज अमेरिका में अनिवासी 1910 के बाद से सबसे ज्यादा हैं, लेकिन 1890 के 14.8 फीसद रिकॉर्ड से कम मानकर चलिए।

पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े बताते हैं, 'अमेरिका में मेक्सिको से आये आप्रवासी सबसे अधिक हैं। 2022 में यू.एस. में रहने वाले लगभग एक करोड़ छह लाख आप्रवासी वहीं पैदा हुए थे, जो टोटल यू.एस. आप्रवासियों का 23 प्रतिशत है। तीन साल पहले, अमेरिका में अनिवासियों का सबसे बड़ा समूह इंडो-अमेरिकन्स (6 प्रतिशत), चीनी (5 प्रतिशत), फिलीपीनी (4 प्रतिशत) और अल साल्वाडोर से आने वाले क्रमशः 3 फीसद बताये गए थे। लैटिन अमेरिका (27 प्रतिशत), जिसमें मेक्सिको शामिल नहीं है, लेकिन कैरिबियन (10 प्रतिशत), मध्य अमेरिका (9 प्रतिशत) और दक्षिण अमेरिका (9 प्रतिशत) शामिल हैं।

जिम्मेदारी से ही सार्थक अभिव्यक्ति की आजादी

डॉ. के.पी. सिंह

एक 22 वर्षीय छात्रा और सोशल मीडिया पर सक्रिय प्रभावी शर्मिष्ठा पनौली को पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुरुग्राम से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक विवादास्पद वीडियो को लेकर गिरफ्तार किया था। इस वीडियो में उसने तथाकथित अपमानजनक और साम्प्रदायिक भाषा का प्रयोग किया था। 3 जून, 2025 को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शर्मिष्ठा को अंतरिम जमानत देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि 'इस विविधता से भरे देश में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि दूसरों को कष्ट पहुंचाएं।' लेकिन दो दिन बाद ही कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उसे यह कहते हुए जमानत दे दी कि उसके खिलाफ की गई शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध का घटित होना नहीं पाया गया। 9 मई, 2025 को पुणे पुलिस ने एक 19 वर्षीय इंजीनियरिंग की छात्रा खदीजा को भी सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में संदेश पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

यही नहीं, मुख्य दण्डाधिकारी (सांसद-विधायक) मऊ की विशेष अदालत ने 31 मई, 2025 को यूपी के विधायक अब्बास अंसारी को 2022 के चुनाव प्रचार में घृणित भाषण देने का दोषी ठहराया था। राहुल गांधी को भी वर्ष 2019 की एक राजनीतिक रैली में 'सभी चोरों का उपनाम मोदी क्यों होता है' जैसी अभद्र टिप्पणी पर अदालत ने आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराया था। हाल ही में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यू-ट्यूबर अजय शुक्ला के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की है, क्योंकि उसने उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। ये वही न्यायाधीश थे जिन्होंने मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के मामले की सुनवाई की थी। 22 मई, 2025 को हरियाणा पुलिस ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को एक तथाकथित आपत्तिजनक ट्वीट करने पर गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने इस प्रकरण में गहन जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश पारित किया है।

अशोका विश्वविद्यालय के संस्थापक द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि सामाजिक सक्रियता एक विकल्प हो सकता है, स्वतंत्र कला शिक्षण का अनिवार्य हिस्सा नहीं। सामाजिक सक्रियता और शैक्षणिक कार्य दो अलग-अलग बौद्धिक विचारधाराएं हैं। वहीं शिक्षाविदों का मानना है कि इस आजादी के बिना अनुसंधान और बौद्धिक कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सोशल मीडिया पर सक्रिय व्यक्तियों ने पहले ही कई मासूम लोगों की मानसिक शांति और जीवनयापन के ढंग को प्रभावित किया है। इसमें दो राय नहीं है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी प्रकार की स्वतंत्रताओं की जननी है, लेकिन यदि इसे बिना किसी जवाबदेही के प्रयोग में लाया जाएगा तो यह आत्मघाती भी सिद्ध हो सकती है। दैनिक इंडियन एक्सप्रेस अखबार बनाम भारत सरकार (1985) में माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी के पीछे चार व्यापक सामाजिक उद्देश्य बताए थे पहला, यह व्यक्ति को आत्म-संतुष्टि प्राप्त करने में सहायक है, दूसरा, यह सत्य की खोज में सहायक है। तीसरा, यह निर्णय लेने की प्रक्रिया में व्यक्ति की भागीदारी की क्षमता को मजबूती प्रदान करता है तथा चौथा, यह एक ऐसा तंत्र प्रदान करता है जिसमें स्थिरता और सामाजिक परिवर्तन के बीच संतुलन बनाया जा सके। आदर्श रूप में किसी भी अभिव्यक्ति को संयम और उद्देश्य की छलनी से गुजरना ही होगा।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(2) में स्पष्ट किया गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ कतई नहीं है कि कोई व्यक्ति बिना आधार के गैर जिम्मेदाराना आरोप लगाए अथवा टिप्पणियां करे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को परिस्थितियों में प्रतिबंधित किया जा सकता है यदि इससे भारत की संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशों के साथ संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, अदालत की अवमानना अथवा किसी की मानहानि होने का अंदेशा हो या किसी अपराध के लिए उकसाए जाने का खतरा हो। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(2) का तात्पर्य यह है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बिना जिम्मेदारी के नहीं मिलती। अभिव्यक्ति की आजादी, सभी प्रकार के विचार से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति पर जिम्मेदारी और जवाबदेही निर्धारित करती है, ताकि राज्य के वैध हितों को कोई हानि न पहुंचे। भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस) की धारा 152 के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की एकता व अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्यों के लिए सजा का प्रावधान है।

इसी संहिता की धारा 196 के अनुसार धर्म, नस्ल, जन्मस्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर समुदायों के बीच दुश्मनी फैलाने और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाना अपराध घोषित किया गया है। धारा 197 राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों के लिए व्यक्ति के लिए दण्ड का प्रावधान करती है। धारा 296 में अश्लीलता और अभद्रतापूर्ण व्यवहार को सजा की श्रेणी में रखा गया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को जीने के अधिकार जितना ही पवित्र माना गया है, लेकिन जब इसे किसी व्यक्ति द्वारा किसी की मानहानि करने अथवा व्यंग्यात्मक और अपमानजनक टिप्पणी करने तक ले जाया जाए तो उसकी जवाबदेही भी उसी व्यक्ति पर आनी चाहिए। वर्ष 1982 में जोधपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए.एन. निगम को तत्कालीन प्रधानमंत्री के विरुद्ध की गई अपमानजनक टिप्पणी के कारण निलंबित कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने प्रोफेसर निगम को किसी भी प्रकार की राहत देने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी द्वारा की गई मानहानि के प्रकरण में सजा को निलंबित करते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय ने राजनेताओं को सलाह दी थी कि 'सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति को भाषण देते समय सावधानी बरतनी चाहिए'।

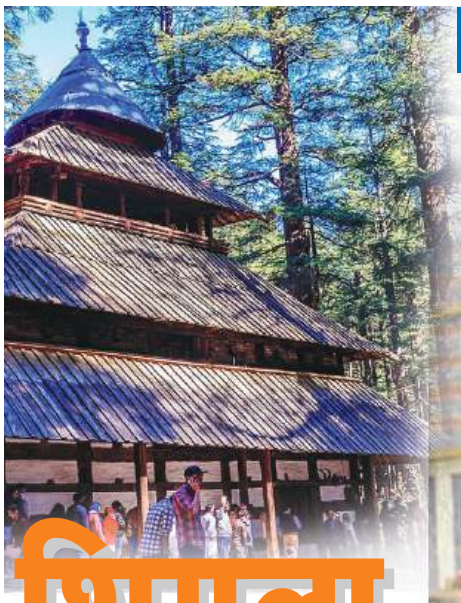

शिमला और मनाली

जाएं नए कपल

हाल ही में शादी हुई है और हनीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो इस मौसम में भारत की कुछ जगहें पर जाना बेस्ट विकल्प है। हालांकि हनीमून की योजना बनाने के दौरान अपने समय और बजट के अनुरूप ही जगह का चयन करें। शादी के लिए युगल लंबी छुट्टियां ले चुका होता है, ऐसे में हनीमून पर जाने के लिए अगर आपको दफ्तर से अधिक दिनों की छुट्टी नहीं मिल रही है या शादी के खर्च के बोझ से परेशान हैं और बजट भी ज्यादा नहीं है तो ऐसी जगहों का चयन कर सकते हैं, जहां कम दिनों में अधिक एन्जॉय कर सकते है, वो भी बजट में। हिमाचल प्रदेश के हिल स्टेशन हनीमून पर जाने के लिए परफेक्ट रहेंगे। हिमाचल के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में शिमला और मनाली का नाम आता है। बहुत अधिक भीड़भाड़ से दूर शांत माहौल में अपनी जीवनसाथी के साथ प्यार भरा वक्त बिताने के लिए मनाली जा सकते हैं। मनाली जाने से पहले कपल पूरी जानकारी इकट्ठा कर लें, कि कैसे अपने शहर से मनाली का सफर कर सकते हैं। मनाली जाने के लिए कितना खर्च आएगा, मनाली में क्या और कहां जा सकते हैं और कैसे कपल एन्जॉय कर सकते हैं।

हिडिम्बा देवी मंदिर

पुरानी मनाली में हिडिंबा देवी मंदिर है जो पर्यटकों के लिए सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है। इसे घूमने के लिए 1 से 2 घंटे का समय लग सकता है। इस पगोड़ा स्टाइल मंदिर को लकड़ी से तैयार किया गया है। इसके आसपास का नजारा देखते ही बनता है। आसपास मनु मंदिर, मां शरवारी मंदिर, तिब्बत मोनेस्ट्री भी स्थित हैं।

जोगिनी झरना

वशिष्ठ रोड पर स्थित जोगिनी झरना मनाली से 2.8 किमी की दूरी पर है। देवी जोगिनी गांव और शक्तिपीठ के मशहूर ये स्थान कपल के प्यारा अनुभव कराता है।

ट्री हाउस

कुल्लू मनाली घाटी हरियाली से घिरा है, जहां कपल हनीमून के दौरान ट्री हाउस में रह सकते हैं और भीड़ से दूर शांत जगह से हरे-भरे जगह में एक दूसरे के साथ वक्त बिता सकते हैं। ट्री हाउस आपको केटेन में मिल जाएंगे। अपने हमसफर का हाथ थाम कर या उनकी बाहों में समाते हुए पहाड़ों से सूर्योदय या सूर्यास्त का नजारा देखना बहुत ही रोमांटिक अनुभव करा सकता है। मनाली इस तरह का अनुभव भी ऑफर करता है।

सोलांग वैली

मनाली से 14 किमी दूर सोलांग वैली है, जहां पहुंचने के लिए 3 से 4 घंटो का वक्त लगता है। सुबह 9 बजे से 5 बजे तक एडवेंचर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग, पैरासूटिंग, हॉर्स राइडिंग कर सकते हैं। यह वैली पैराग्लाइडिंग के लिए भारत की बेस्ट जगहों में से एक है।

भृगु झील

मनाली से 22 किमी दूर कुल्लु में स्थित भृगु झील तक पहुंचने में 2-3 घंटे का समय लगता है। यहां महर्षि भृगु ने ध्यान लगाया था। यहां से कपल कैंपिंग के लिए भी जा सकते हैं और रास्ते में स्टॉबेरी के बागान देख सकते हैं।

हंसना मना है

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढ़क निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारूं। तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

सांता: डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर: 50 हजार सांता: अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर: तो पिघला कर चिपका भी लेना।

एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्च से ज्यादा कमा सके। एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

पापा: दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा: पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यही मिलेगी!

शादी करनी हो तो अपनी गर्लफ्रेंड से करो। दूसरों की गर्लफ्रेंड से तो, घरवाले भी करवा देते है।

पहला दोस्त - क्या कर रहे हो भाई? दूसरा दोस्त - खा रहा हूं भाई...पहला दोस्त- अकेले-अकेले...? दूसरा दोस्त- अबे बीवी से ताने खा रहा हूं, आजा तू भी खा ले...!

कहानी | सफलता ठान लेने से मिलती है

दशरथ मांझी जिन्हें माउंटेन मैन के नाम से भी जाना जाता है, इनको कौन नही जनता? जिन्होंने यह साबित किया है, कि कोई भी काम असंभव नही है। दशरथ मांझी बिहार में गया के करीब गहलौर गांव के एक गरीब मजदूर थे। मांझी काफी कम उम्र में ही धनबाद की कोयले की खान में काम करने लगे, बड़े होने पर फाल्गुनी देवी नामक लड़की से शादी कर ली। अपने पति के लिए खाना ले जाते समय उनकी पत्नी फाल्गुनी पहाड़ के दर्रे में गिर गयी। पहाड़ के दूसरी और अस्पताल था, जो करीब 55 किलोमीटर की दूरी पर था। दूरी होने के कारण उचित समय पर उनको उपचार नही मिल पाया, जिसके कारण उनका निधन हो गया। यह बात उनके दिल को लग गयी, इसके बाद मांझी ने संकल्प लिया कि वह अकेले अपने दम पर पहाड़ के बीचों-बीच से रास्ता निकालेंगे और केवल एक हथौड़ा और छेनी लेकर खुद अकेले ही 360 फुट लंबी 30 फुट चौड़ी और 25 फुट ऊंचे पहाड़ को काटकर एक सड़क बना डाली। 22 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद, दशरथ की बनायी सड़क ने अतरी और वजीरगंज ब्लाक की दूरी को 55 किलोमीटर से 15 किलोमीटर कर दिया। लोगों ने इन्हें पागल कहा लेकिन इस बात ने इनके निश्चय को और भी मजबूत किया। उन्होंने अपने काम को 22 वर्षों (1960-1982) में पूरा किया। पहले गांव वालों ने उन पर ताने कसे लेकिन उनमें से कुछ ने उन्हें खाना दिया और औजार खरीदने में उनकी सहायता भी की। एक इंसान जिसके पास नहीं पैसा था, ना हीं ताकत थी, उसने एक पहाड़ खोद दिया, उनकी जिंदगी से हमें एक सीख मिलती है, की हम किसी भी कठिनाई को आसानी से पार कर सकते है, अगर आप में उस काम को करने की जिद है। कैंसर से पीड़ित मांझी का 73 साल की उम्र में, 17 अगस्त 2007 को निधन हो गया। दशरथ ने अपने जज्बे और जुनून से सारा जोर अपने लक्ष्य को पाने में लगा दिया और जब तक चैन से नही बैठे जब तक सफल नही हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। समय अनुकूल है।

वृषभ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुभय रहेगा।

तुला धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कष्ट व भय सताएंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

पंचायत में 'मंजू' के किरदार ने रूढ़िवादी सोच को तोड़ने में मदद की : नीना गुप्ता

नीना गुप्ता ने वेब सीरीज पंचायत में अपने किरदार 'मंजू देवी' पर बात की। उन्होंने कहा कि इस सीरीज के जरिए यह दिखाया गया है कि अगर महिलाएं चाहें तो वे नेतृत्व कर सकती हैं और आगे बढ़ सकती हैं, उनके लिए जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। पंचायत में उनके किरदार मंजू ने महिलाओं से जुड़ी कई रूढ़िवादी सोच को तोड़ने में मदद की। नीना ने बताया, मंजू देवी का किरदार मेरे लिए पंचायत के पहले सीजन से खास रहा, खासकर झंडा फहराने वाले सीन में यह और भी खास रहा। यह मंजू देवी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। गांवों में अक्सर महिलाएं कई चीजों को सीखने या जानने में रुचि नहीं लेतीं, लेकिन मंजू ने इस रूढ़िवादी सोच को तोड़ा। उन्होंने बताया कि सीरीज में दिखाया गया है कि मंजू धीरे-धीरे दृढ़, जिज्ञासु और आत्मनिर्भर बनती हैं। नीना ने यह भी बताया, देश के कई हिस्सों में आज भी 'प्रधानपति' का कॉन्सेप्ट है, जहां पति पंचायत की जिम्मेदारियां संभालते हैं। 'पंचायत' के जरिए हम दिखा सके कि अगर महिलाएं चाहें, तो वे खुद नेतृत्व कर सकती हैं। मुझे इस बात की खुशी है। सीरीज में क्रांति देवी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवार ने भी अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया, क्रांति का किरदार मेरे लिए खास है। क्योंकि, वह अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती है। वह सिर्फ एक गृहिणी नहीं, बल्कि एक सशक्त महिला की तरह सोचती और प्रतिक्रिया देती है। सुनीता ने बताया कि इस किरदार को निभाते हुए उन्हें खुद से और भी जुड़ाव महसूस हुआ। उन्होंने कहा, यह किरदार न सिर्फ दर्शकों को, बल्कि मुझे भी प्रभावित करता है। इसे निभाकर मैं बहुत खुश हूं। पंचायत का चौथा सीजन 24 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। इसमें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, संविका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे कलाकार हैं, जो एक बार फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं।

तीन साल बाद पर्दे पर कमबैक कर रही हैं आमना शरीफ

आमना शरीफ जिन्हें टीवी शो कहीं तो होगा में कशिश के रोल से खास पहचान मिली, तीन साल के लंबे ब्रेक के बाद फिर से टीवी पर वापसी कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने जानबूझकर एक्टिंग से दूरी बनाई और खुद को रियल लाइफ से जोड़ने का मौका दिया। आमना ने माना कि यह ब्रेक उनके लिए एक गहरी सीख था, जिसने उन्हें और मजबूत और समझदार बनाया।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी लाइमलाइट से दूर रहना जरूरी होता है ताकि असली जिंदगी की अहमियत समझ आ सके। अब आमना पूरी तरह तैयार हैं अपने फैंस को फिर से प्रभावित करने के लिए। उनकी वापसी को लेकर उनके चाहने वालों में काफी उत्साह है और सब उनके नए प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आमना का मानना है कि यह नया दौर उनके करियर का एक नया और बेहतर अध्याय होगा।

आमना शरीफ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्होंने जानबूझकर एक्टिंग से तीन साल का ब्रेक लिया था। इस दौरान उनके पास कोई काम नहीं था और उन्होंने खुद को पूरी तरह से रियल लाइफ से कनेक्ट करने का मौका दिया। उन्होंने यह भी माना कि कई बार लगा कि शायद उन्होंने गलत फैसला ले लिया है, लेकिन उन्हें कभी कोई पछतावा नहीं हुआ। इस फेज में उन्होंने खुद को समझा, खुद को समय दिया और खुद में नया आत्मविश्वास पाया।

टीवी की दुनिया की जानी-मानी एक्ट्रेस आमना शरीफ एक बार फिर अपने फैंस के लिए खुशखबरी लेकर आई हैं। कहीं तो होगा शो में कशिश का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली आमना अब लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं।

आमना शरीफ जिन्हें टीवी शो कहीं तो होगा में कशिश के रोल से खास पहचान मिली, तीन साल के लंबे ब्रेक के बाद फिर से टीवी पर वापसी कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने जानबूझकर एक्टिंग से दूरी बनाई और खुद को रियल लाइफ से जोड़ने का मौका दिया। आमना ने माना कि यह ब्रेक उनके लिए एक गहरी सीख था, जिसने उन्हें और मजबूत और समझदार बनाया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी लाइमलाइट से दूर रहना जरूरी होता है ताकि असली जिंदगी की अहमियत समझ आ सके। अब आमना पूरी तरह तैयार हैं अपने फैंस को फिर से प्रभावित करने के लिए।

विजय सेतुपति की कॉमेडी-क्राइम की ओटीटी स्ट्रीमिंग शुरू

विजय सेतुपति की फिल्म 'ऐस' अब ओटीटी पर, प्यार, कॉमेडी और क्राइम का धमाकेदार मिक्स-मलयालम और तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति की नई फिल्म ऐस अब ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है।

यह एक अनोखी फिल्म है, जिसमें रोमांस, क्राइम और कॉमेडी का मजेदार तड़का है। थिएटर्स में ज्यादा कमाल न दिखाने के बाद अब यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दर्शकों का दिल जीतने को तैयार है। आइए जानते हैं इसकी कहानी और खासियतें।

ऐस की कहानी मलेशिया में सेट है, जहां कन्नन (विजय सेतुपति) अपनी पुरानी जिंदगी को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करना चाहता है। लेकिन एक खतरनाक डकैती की साजिश उसे अंडरवर्ल्ड की दुनिया में खींच लेती है। कन्नन की मुलाकात अरिवु (योगी बाबू) से होती है, जो एक रैगपिकर है, लेकिन खुद को बड़ा बिजनेसमैन दिखाता है।

कन्नन की जिंदगी में रुकमिणी (रुकमिणी वसंत) आती है, जो आर्थिक तंगी से जूझ रही है। कन्नन उसकी मदद के लिए एक जोखिम भरे रास्ते पर चल पड़ता है। कहानी में एक लोन शार्क धर्मा (बी.एस. अविनाश) और पुलिस की एंट्री इसे और रोमांचक बनाती है। यह फिल्म प्यार, हंसी और सस्पेंस का शानदार मिश्रण है। फिल्म में विजय सेतुपति का दमदार अभिनय है, जो अपने किरदार को गंभीरता और मस्ती के साथ निभाते हैं। कन्नड़ सिनेमा की अभिनेत्री रुकमिणी वसंत ने इस फिल्म से तमिल डेब्यू किया और उनकी सादगी भरी एक्टिंग ने कहानी में भावनाएं जोड़ीं। योगी बाबू की कॉमेडी टाइमिंग ने दर्शकों को खूब हंसाया, और उनके वन-लाइनर्स फिल्म का हाईलाइट हैं। दिव्या पिल्लई, प्रीथीराज बबलू और रमेश थिलक जैसे सपोर्टिंग एक्टर्स ने भी शानदार काम किया।

अजब-गजब | इस महिला को कहा जाता है ब्लैक विडो

महिला ने 6 साल में की 17 शादियां और 17 कत्ल, मन भरते ही कर देती थी पति का मर्डर

इस समय इंदौर के राजा रघुवंशी का मर्डर केस सुर्खियों में है। बता दें कि शादी के बाद राजा रघुवंशी पत्नी सोनम के साथ शिलॉग हनीमून के लिए गए थे। लेकिन वहां राजा मर्डर हो गया। राजा के मर्डर के बाद पत्नी सोनम लापता थी। पुलिस ने इस मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हुए दावा किया है कि राजा की हत्या उसकी पत्नी सोनम ने ही कराई है। लेकिन क्या आप भारत की उस महिला के बारे में जानते हैं जिसने 6 साल में 17 शादियां की और सभी 17 पतियों को मौत के घाट उतार दिया। इस महिला को ब्लैक विडो के नाम से भी जाना जाता है। महिला का नाम लाला वन था। पंजाब के भटिंडा की रहने वाली लाला वन ने 14 साल की उम्र में पहली शादी की थी। जब वह दुल्हन बनकर ससुराल आई तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि बस चंद दिनों बाद विधवा हो जाएगी।

लाला वन अपने पति के साथ अकेली रहती थी। करीब तीन चार महीने तक तो सबकुछ ठीक था। दोनों साथ में बहुत खुश थे। बाद में अचानक लाला का मन अपने पति से हटने लगा। इस दौरान लाला वन की जिंदगी में कोई और आ गया। शादी को छह महीने ही बीते थे कि एक दिन लाला वन के पति की मौत की खबर पूरे गांव में फैल गई। सभी इस बात से दुखी थे कि इतनी छोटी उम्र में ये लड़की विधवा हो गई। हर कोई उससे सहानुभूति जता रहा था, लेकिन वो खुश

थी। वो खुश थी क्योंकि उसकी प्लानिंग पूरी हो गई थी।

दरअसल, लाला वन ने 14 साल की उम्र में अपने पहले पति को जहर देकर मारा था। लाला का पति उसे बेहद प्यार करता था, लेकिन लाला का सिर्फ छह महीने में ही उस आदमी से दिल भर गया था। ऐसे में जैसे ही उसकी जिंदगी में एक नया आदमी आया तो उसने अपने पति को मारने का मन बना लिया और एक दिन उसने अपने पति के खाने में जहर मिला दिया।

पति की मौत के चंद महीनों बाद ही लाला वन ने दूसरी शादी कर ली और पति के साथ दूसरे गांव में रहने लगी। हर किसी को लगा कि चलो इस लड़की का घर दोबारा बस गया। शादी के कुछ दिन तो लाला नए पति के साथ खुश रही, लेकिन चंद दिनों में ही इस आदमी से भी लाला का दिल भरने लगा। कुछ महीनों बाद उसने दूसरे पति को भी जहर देकर मार दिया। इस तरह से उसने 17 शादियां की और हर पति को शादी के कुछ महीने बाद ही मौत के घाट उतार दिया। वह खाने में जहर मिला देती थी। पति को मारने के बाद लाला वन तुरंत उनका अंतिम संस्कार भी कर देती थी। ये सिलसिला चलता रहा, एक के बाद आदमियों को लाला मारती रही। वो जिससे शादी करती छह महीने से पहले ही वो शख्स मर जाता।

ऐसे आई पकड़ में- 20 साल की उम्र तक लाला ऐसे ही 16 बार विधवा बन चुकी थी। इसके बाद उसने 17वीं बार शादी की। लेकिन इसी दौरान पुलिस को उस पर शक हो गया कि आखिर क्यों एक के बाद एक पतियों की मौत हो रही है। हालांकि उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं था। ऐसे में पुलिस ने उस पर नजर रखना शुरू कर दिया। पुलिस ने लाला वन के सत्रहवें पति को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन लाला ने उसको भी मार डाला। इस बार पुलिस पहले से सचेत थी। मौत के तुरंत बाद घर से लाश को अंतिम क्रिया के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। पुलिस ने लाला को सबूत मिटाने का मौका नहीं दिया। लाश को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया और लाला वन को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच से ये साफ हुआ कि लाला के सत्रहवें पति की मौत जहर देने से हुई है। पुलिस कस्टडी में लाला ने अपने जुर्म कबूल किए। पुलिस पूछताछ के दौरान कई चौंकाने वाली बातें इस महिला ने बताई।

इस अंडे में छिपा है मानसून का सीक्रेट, कब और कितनी होगी बारिश, बताता है पूरा हाल

शाहजहांपुर। भारत में बारिश की टोह लेने के लिए कई अनोखे तरीके अपनाए जाते रहे हैं। टिटहरी के अंडों का बारिश से कनेक्शन सदियों पुराना है। किसानों के बीच माना जाता है कि जून महीने दिए हुए टिटहरी पक्षी के अंडे मानसून के आगमन और उसकी अवधि के बारे में संकेत देते हैं। किसानों का मानना है कि पहले किसान टिटहरी के अंडों के स्थान और समय को ध्यान में रखकर खेती करने का प्लान किया करते थे। उसी को आधार मानकर किसान फसलों की बुवाई का समय तय करते है। शाहजहांपुर के इतिहास पर पुस्तक लिखने वाले इतिहासकार डॉ. विकास खुराना बताते हैं कि शाहजहांपुर जैव विविधता में अग्रणी जिला है। ब्रिटिश गजेटियर में इस बात का जिक्र है कि शाहजहांपुर में 400 प्रजातियों के पक्षी पाए जाते थे। यहां की 77000 एकड़ जमीन पर जंगल था। बहुत से पक्षियों का ज्योतिष विद्या या भविष्य वक्ता के रूप में मान्यताएं मिली हुई हैं। टिटहरी नाम का एक पक्षी इन्हीं में से एक है। बताया जाता है कि किसान टिटहरी के अंडों के आधार पर अपनी खेती की प्लानिंग करते हैं। बताते हैं कि टिटहरी किसानों को मौसम का ज्ञान कराती है। टिटहरी का सिर गोल, गर्दन व चोंच छोटी और पैर लंबे होते हैं। ये पक्षी पेड़ों पर घोंसला नहीं बनाता है, ये धरती पर मामूली सा गढ्डा खोदकर या थोड़े से कंकरों और बालू से घिरे गढ्ढे में घोंसला बनाता है। इनका प्रजनन बरसात के समय मार्च से अगस्त के दौरान होता है। ये पत्थर के रंग के हल्के पीले पर स्लेटी-भूरे, गहरे भूरे या बैंगनी धब्बों वाले दो से पांच अंडे देता है। ये पक्षी पेड़ पर भी नहीं बैठता है। इसके तीन उंगली वाले पैर होते हैं। माना जाता है कि टिटहरी जितने अंडे देती है, उतने महीने बारिश होती है। यदि टिटहरी चार अंडे देती है, तो यह अनुमान लगाया जाता है कि इस बार चार महीने तक बारिश होगी। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि अंडों की स्थिति से बारिश की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। खड़े अंडे तेज बारिश और बैठे हुए अंडे धीमी बारिश का संकेत देते हैं। यह भी मान्यता है कि यदि टिटहरी ऊंची जगह पर अंडे देती है, तो अच्छी बारिश की संभावना होती है, जबकि नीची जगह पर अंडे देने से कम बारिश का अनुमान लगाया जाता है। यह पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है, हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, फिर भी यह लोक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शाहजहांपुर में इस बार टिटहरी में सतह से ऊंचाई पर अंडे दिए हैं। यहां शारदा नहर के करीब टिटहरी ने चार अंडे दिए हैं। मान्यताओं को आधार माना जाए तो कहा जा सकता है कि इस बार शाहजहांपुर में बारिश अच्छी होगी। अच्छी बारिश कृषि के लिए बेहतर मानी जाती है। टिटहरी के अंडों को देखकर किसानों के चेहरे पर खुशी है।

विमान हादसे के लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार : राशिद

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार है असंवेदनशील

» बोले- पिछले 11 साल में करीब 700 ट्रेनों का हुआ एक्सीडेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सांसद राशिद अल्वी ने अहमदाबाद और उत्तराखंड में हुए विमान और हेलीकॉप्टर हादसों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राशिद अल्वी ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार असंवेदनशील है। पिछले 11 साल में करीब 700 ट्रेन एक्सीडेंट देश में हुए हैं। हेलीकॉप्टर के एक्सीडेंट हो रहे हैं। अहमदाबाद के अंदर बोइंग विमान का एक्सीडेंट हुआ। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक्सीडेंट रोके नहीं जा सकते।

जिस सरकार की सोच हो कि एक्सीडेंट नहीं रुक सकते, वहां किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं होती और ऐसी स्थिति में एक्सीडेंट होते रहेंगे। गृह मंत्री के बयान से स्पष्ट हो गया है कि इस घटना के बाद भी अधिकारी सुरक्षित हैं। मरने वालों से सरकार को कोई परेशानी नहीं है।

उत्तराखंड में लगातार हो रहे हेलीकॉप्टर क्रैश

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में लगातार प्लेन क्रैश की घटनाएं हो रही हैं। छठा-सातवां प्लेन क्रैश रविवार को हुआ। भाजपा को इसकी चिंता नहीं है और न ही इसके लिए समय है। भाजपा के तीन तलाक, वक्फ और यूनिफॉर्म सिविल कोड में ही व्यस्त है। अल्वी ने कहा कि बोइंग पर पूरी दुनिया में सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में बोइंग पर सीबीआई की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा आदेशित थी। साल 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने उस जांच को बंद कर दिया था। अगर उसी समय बोइंग की खामी पता चल जाती तो यह हादसा नहीं होता। बता दें बोइंग का छह महीने तक इस्तेमाल नहीं किया गया था। अचानक उसका इस्तेमाल हुआ। यही हाल हेलीकॉप्टर्स का है। हमारे पूर्व सीडीएस भी प्लेन क्रैश का शिकार हुए। लेकिन, केंद्र सरकार को कोई चिंता नहीं है। सरकार हादसा होने से पहले नहीं जागती। पहले जागती, तो अहमदाबाद विमान हादसा नहीं होता।

ईरान आक्रमण की निंदा होनी चाहिए

फिलिस्तीन पर राशिद अल्वी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्य देशों में 174 ने एक देश के रूप में फिलिस्तीन को मान्यता दी है। इसके बावजूद अमेरिका जैसे ताकतवर देश फिलिस्तीन के पक्ष में नहीं हैं। राशिद अल्वी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के विचारों को पूरी दुनिया जानती है। सरकार संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के पक्ष में खड़ी नहीं होगी। वह इजरायल के साथ है, जबकि इजरायल ने अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है और बिना किसी कारण ईरान पर हमला किया है। भारत सरकार ने ईरान पर हुए इजरायल के आक्रमण की निंदा भी नहीं की है।

प्रियंका के घर पर बिगड़ी सोनिया गांधी की तबियत

» दिल्ली के सर गंगाराम हास्पिटल में भर्ती ब्लड प्रेशर हाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को रविवार शाम दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें पेट से जुड़ी समस्या के चलते अस्पताल के गैस्ट्रो विभाग में रखा गया है। फिलहाल उनकी सेहत स्थिर है और डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है।

सोनिया गांधी कुछ दिन पहले अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ छुट्टियां बिताने शिमला आई, जहां वे छराबड़ा स्थित प्रियंका के निजी आवास पर ठहरी। आज अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत IGMC ले जाया गया, जहां उन्हें स्पेशल वार्ड में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य से थोड़ा ज्यादा था, लेकिन स्थिति स्थिर बनी रही। यह पहली बार नहीं है जब सोनिया गांधी को सेहत से जुड़ी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया हो। फरवरी 2024 में भी उन्हें पेट से संबंधित दिक्कतों के कारण सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब भी उन्हें गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में एक दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। फिलहाल अस्पताल की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन अस्पताल सूत्रों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल नियंत्रण में है और घबराने की कोई बात नहीं है।

हमें मनुवादी ताकतों से लड़ना है: उदित राज

» बोले- सिर्फ भाषण और विचारों से काम नहीं चलेगा, सभी को लेनी होगी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने नई दिल्ली में 'डोमा परिसंघ' के तहत दलित, ओबीसी और मुस्लिम संगठनों का एक सम्मेलन बुलाया था। सम्मेलन में देशभर से लोग शामिल हुए। उदित राज ने कहा कि दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यक 'डोमा' के माध्यम से, जो एक गैर-राजनीतिक संगठन है, हम संविधान बचाने की लड़ाई, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने की लड़ाई, जाति जनगणना ईमानदारी से लागू करने, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने, बाबासाहेब अंबेडकर, फूले और साहू की विचारधारा का प्रचार-प्रसार पूरे देश के अंदर हो, हर क्षेत्र में भागीदारी, निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान लागू होना चाहिए।

हमारे इस अधिवेशन और चिंतन शिविर का यही मकसद था। उन्होंने कहा कि जो इन चार समुदायों पर जुल्म अत्याचार कर रहे हैं, उन्होंने 80-20 का जो नारा दिया गया है, उसे 85-15 करना है और उसमें 85 हम हैं। संविधान हमारे साथ न्याय करता है। इसीलिए हम जय संविधान कहते हैं और चाहते हैं कि देश संविधान के अनुसार ही चले। पुरानी रीति-रिवाजों और परंपराओं के मुताबिक देश नहीं चलेगा। उन्होंने सम्मेलन में आए मुसलमानों और ईसाइयों का धन्यवाद दिया और कहा कि सिर्फ भाषण और विचारों से काम नहीं चलेगा। सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी।

संभल में फिर चला बुल्डोजर

» इस बार अतिक्रमण पर वार, चारों ओर हाहाकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक बार फिर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। सड़क चौड़ीकरण और शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को चंदौसी चौराहे पर नगर पालिका और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने नाले के ऊपर बने अवैध पक्के स्लैबों को हटाने का काम शुरू किया। इस कार्रवाई में दो बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया। संभल कोतवाली क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई, जहां लंबे समय से नाले के ऊपर पक्का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। इन निर्माणों की वजह से नाले की सफाई में दिक्कत हो रही थी और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी।

सड़कों पर जाम की समस्या आम हो गई थी, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासन ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया। अतिक्रमण से परेशान लोगों ने इसका स्वागत किया है, लेकिन कुछ ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पर सवाल भी उठाए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी तरह से नियमों के तहत और जनहित में किया जा रहा है। आने वाले दिनों में इस तरह की कार्रवाइयां अन्य क्षेत्रों में भी जारी रहने की संभावना है। संभल प्रशासन का लक्ष्य शहर को साफ-सुथरा और यातायात के लिए सुगम बनाना है।

नाले पर अतिक्रमण को हटाया जा रहा है

कार्रवाई के दौरान बुलडोजरों ने नाले के ऊपर बने पक्के स्लैबों को तोड़ा, ताकि नाले की सफाई और पानी के बहाव को सुचारू किया जा सके। इसके साथ ही सड़क को चौड़ा करने का काम भी शुरू किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हो सके। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई शहर के हित में है और इससे न केवल सड़कें चौड़ी होंगी, बल्कि शहर की स्वच्छता भी बेहतर होगी। इस अभियान से पहले प्रशासन ने अतिक्रमण करने वालों को नोटिस जारी किए थे।

पैरा पावरलिफ्टिंग विश्वकप के लिए भारतीय दल रवाना

» 17-25 जून को बीजिंग में होनी है ये प्रतियोगिता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 16 सदस्यीय भारतीय पैरा पावरलिफ्टिंग दल 17-25 जून को चीन के बीजिंग में होने वाले प्रतिष्ठित बीजिंग 2025 पैरा पावरलिफ्टिंग विश्वकप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम को पैरा-स्पोर्टिंग समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों और शुभचिंतकों की उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया (एनएससीआई) में आयोजित एक समारोह में भव्य विदाई दी गई। आईआरएस, पीआर अतिरिक्त महानिदेशालय के रंजीत कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित होकर एथलीटों को शुभकामनाएं दीं।

पैरा पावरलिफ्टरों की असीम शक्ति और लचीलेपन से अभिभूत होकर उन्होंने कहा, मैं इन एथलीटों की ताकत और दृढ़ संकल्प से वास्तव में अभिभूत हूं। यह एक विनम्र और प्रेरक अनुभव था। मैं उन्हें न केवल इस टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर एशियाई पैरालंपिक समिति की दक्षिण-पूर्व एशिया सदस्य डॉ. दीपा मलिक और भारतीय पैरालंपिक समिति के महासचिव जयवंत हम्नावर भी मौजूद थे, दोनों ने एथलीटों की सराहना की और उन्हें बीजिंग में पोडियम फिनिश का लक्ष्य रखने के लिए प्रोत्साहित किया। खेल में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए इंडिया पैरा पावरलिफ्टिंग के चेयरमैन जेपी सिंह ने कहा, हर टूर्नामेंट के साथ भारत वैश्विक पैरा पावरलिफ्टिंग बिरादरी में खुद को एक ताकत के रूप में स्थापित कर रहा है।

सभी की इन खिलाड़ियों पर रहेंगी निगाहें

दल में जैनब खातून, सीमा रानी, झंडू कुमार, जॉबी मैथ्यू, मनीष कुमार और कस्तूरी जैसे बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रभावित किया। सभी की निगाहें उन पर होंगी क्योंकि उनका लक्ष्य अपनी गति को जारी रखना और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत छाप छोड़ना है। जैसे-जैसे भारतीय दल बीजिंग की यात्रा पर निकल रहा है, देश इन एथलीटों के पीछे मजबूती से खड़ा है और देश को गौरव और गौरव दिलाने के लिए उनका उत्साहवर्धन कर रहा है।

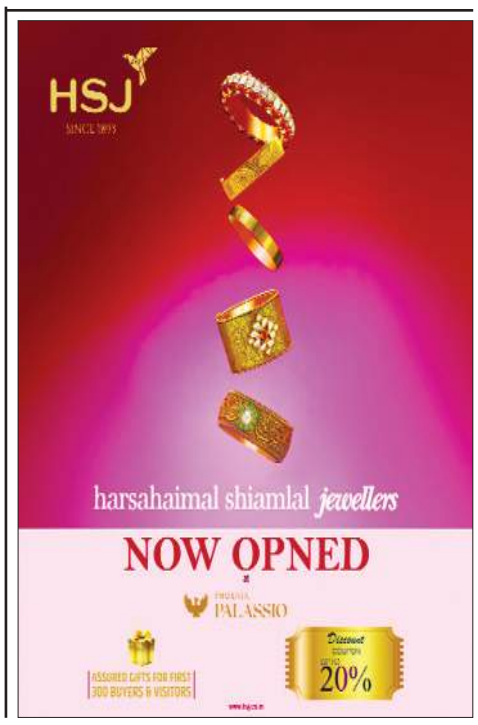

फिर थम गईं यात्रियों की सांस!

पायलट की तत्परता से टला बड़ा हादसा

» एयर इंडिया का बोइंग-787 प्लेन आसमान में ही हुआ खराब, बीच रास्ते से हांगकांग लौटा प्लेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में फिर से तकनीकी खराबी की घटना सामने आई है। यह फ्लाइट हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भर रही थी, लेकिन उड़ान के दौरान पायलट को इंजन में गड़बड़ी महसूस हुई। जैसे ही यह समस्या सामने आई, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया और फ्लाइट को हांगकांग वापस लौटाने का फैसला लिया गया। इस फ्लाइट में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

आपको बता दें कि जिस विमान में खराबी आई, वह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था। यह वही मॉडल है जो हाल ही में अहमदाबाद में हुए घातक हादसे में इस्तेमाल हुआ था। उस हादसे के बाद एयर इंडिया के विमानों की तकनीकी जांच भी की गई थी, लेकिन अब फिर से इसी मॉडल के विमान में खराबी सामने आना चिंता का विषय बन गया है। इस घटना का कारण इंजन में अचानक आई तकनीकी गड़बड़ी बताया जा रहा है।

फ्लाइट में सवार सभी यात्री और क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। एयर इंडिया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और पायलट ने प्रोटोकॉल के अनुसार तुरंत कार्रवाई की। उड़ान के दौरान पायलट को इंजन में असामान्य कंपन और तकनीकी त्रुटि के संकेत मिले। इसके बाद उन्होंने हांगकांग एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को वापस लौटाने का निर्णय लिया। फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। इस फ्लाइट में दर्जनों यात्री सवार थे, जो भारत लौट रहे थे। एयरलाइन ने बताया कि बैकअप विमान या अन्य विकल्पों की व्यवस्था की जा रही है ताकि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। एयर इंडिया की इंजीनियरिंग टीम फ्लाइट AI315 के इंजन में आई खराबी की जांच कर रही है।

इंजन में आई तकनीकी जांच जारी

एयर इंडिया और उड्डयन मंत्रालय को उठाने होंगे सख्त कदम

लगातार दो बार बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर में तकनीकी गड़बड़ियाँ सामने आने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या ये विमान वाकई सुरक्षित हैं। अहमदाबाद हादसे के बाद जांच शुरू की गई थी, लेकिन हांगकांग-दिल्ली फ्लाइट में फिर खराबी आना यह दिखाता है कि तकनीकी स्तर पर सुधार अभी भी अधूरे हैं। एयर इंडिया और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अब और सख्त कदम उठाने होंगे ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

अहमदाबाद विमान हादसा: डीएनए सैंपल से 92 की हुई शिनाख्त

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के पांच दिन बाद अस्पताल अधिकारियों ने डीएनए मिलान के माध्यम से 92 लोगों की शिनाख्त कर ली है। दुर्घटना में 274 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 47 लोगों के शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। जिन लोगों के शव सौंपे गए, वे अहमदाबाद, वडोदरा, खेड़ा, बोटाद और अन्य स्थानों से ताल्लुक रखते थे। वहीं गुजरात सरकार ने पूर्व सीएम विजय रुपाणी के लिए राजकीय शोक की घोषणा की है। राजकोट में शाम को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। विजय रुपाणी भी इस विमान में सवार थे। डीएनए टेस्ट की टीम में कुल 590 लोग शामिल हैं। जिनमें से 36 फारेंसिक एक्सपर्ट हैं। टीम में 8 महिलाएं और 554 मेडिकल स्टाफ है। डीएनए रिपोर्ट तैयार होने के बाद परिजनों से संपर्क करके उन्हें ये सौंपी जा रही है। जानकारी के अनुसार एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। केवल तीन यात्रियों के सदस्यों ने अब तक अपने डीएनए नमूने नहीं दिए हैं क्योंकि वे विदेश में रहते हैं। उनके कल शाम तक पहुंचने की उम्मीद है। पार्थिव शरीर के साथ हम परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र भी सौंप रहे हैं ताकि बाद में उन्हें किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

कोरोना का कहर जारी नए वैरिएंट से मृतकों की संख्या 100 के पार

» नया वैरिएंट बुजुर्गों के लिए है ज्यादा घातक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 का नया वैरिएंट बुजुर्गों के लिए घातक साबित हो रहा है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा 100 के पार पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में 11 लोगों की मौत हुई है, जिनमें छत्तीसगढ़ में हुई पहली मौत भी शामिल है। केरल में सबसे ज्यादा 7 मौतें दर्ज की गई हैं।

छत्तीसगढ़ में कोविड संक्रमण के एक्टिव केस 50 के पार जा चुके हैं। सोमवार को राज्य में एक और नया मामला दर्ज किया गया, जिससे कुल केस 51 हो गए। छत्तीसगढ़ में कोविड से जो पहली मौत दर्ज हुई है, वो 85 साल के एक बुजुर्ग व्यक्ति थे। केरल में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं। राज्य में कोविड से संक्रमित 7 लोग मरे हैं। मरने वालों में तीन महिलाएं हैं, जिनकी उम्र क्रमश: 63, 67 और 71 साल थी। एक 33 साल के व्यक्ति की भी मौत हुई है। इसके अलावा तीन बुजुर्ग कोविड के कारण मरे हैं, जिनकी उम्र क्रमश: 85, 83 और 60 साल थी। इसके अलावा मध्य प्रदेश में कोविड से संक्रमित एक 52 साल की महिला की मौत हुई है। महाराष्ट्र में 47 साल के व्यक्ति और दिल्ली में 67 साल के बुजुर्ग ने संक्रमण के कारण जान गंवाई है।

केरल में सबसे ज्यादा मौतें

नए वैरिएंट के बाद भारत में अब तक मरने वालों की संख्या 108 हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा 35 मौतें केरल में हुईं। महाराष्ट्र में अब तक 28 लोग मर चुके हैं। दिल्ली में 12 लोगों की जान जा चुकी है। नए वैरिएंट के बाद कर्नाटक में 11, तमिलनाडु में 7, मध्य प्रदेश में 4, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में दो-दो, छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक-एक मौत दर्ज की गई। फिलहाल भारत में कोविड संक्रमण के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 7,264 रह गई है।

मुंबई के स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

» अज्ञात के खिलाफ देवनार और समतानगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से आ रहे धमकी भरे फोन के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है। स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मुंबई के देवनार और समतानगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के देवनार स्थित कनाकिया इंटरनेशनल स्कूल और कांदिवली के समतानगर स्थित रायन इंटरनेशनल स्कूल को धमकी भरे ईमेल मिले हैं।

मुंबई पुलिस ने बयान में कहा कि पुलिस जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। इस मामले को लेकर मुंबई के देवनार और समतानगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। साथ ही धमकी भरे फोन के चलते पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है और मुंबई पुलिस मेल भेजने वाले की तलाश कर रही है। हाल ही में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इससे कार्यालय और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। अफरातफरी के बीच मुंबई पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा कॉल आया था। सूचना मिलने पर बीकेसी पुलिस स्टेशन को अलर्ट किया गया, जिसके बाद पुलिस अधिकारी और बम स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की जांच की। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध सामान नहीं मिला।

हंगामे के बीच फिर राजद अध्यक्ष बने संजय यादव

» सभी औपचारिकताएं पूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। संजय सिंह यादव को एक बार फिर झारखंड प्रदेश राजद अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित घोषित किया गया है। इस पद के लिए दावेदारी करने वाले दो अन्य उम्मीदवारों अभय सिंह और सदाकत हुसैन अंसारी के नामांकन पर्चे रविवार को स्क्रूटनी के दौरान अमान्य करार दिए जाने के बाद एकमात्र संजय सिंह यादव मैदान में रह गए थे। पार्टी के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरधारी यादव और सहायक निर्वाचन पदाधिकारी कलामुद्दीन खान के हस्ताक्षर से संजय सिंह यादव के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा की गई है।

यह निर्वाचन 2025-2028 सत्र के लिए हुआ है। संजय सिंह यादव पलामू जिले के हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से पिछले साल राजद के टिकट पर विधायक चुने गए थे। पार्टी के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि अभय सिंह और सदाकत हुसैन अंसारी के नामांकन प्रपत्रों में पार्टी की राज्य परिषद के किसी भी सदस्य का प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर नहीं हैं। ऐसे में तकनीकी आधार पर उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। संजय सिंह यादव के नामांकन प्रपत्र में राज्य परिषद के 10 सदस्यों ने प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर किया है।

चुनाव अधिकारी ने की मनमानी

अभय सिंह लंबे समय तक प्रदेश राजद के अध्यक्ष रह चुके हैं। सदाकत हुसैन अंसारी भी पार्टी की प्रदेश इकाई में बड़े पदों पर रहे हैं। दोनों ने कहा कि चुनाव पदाधिकारी ने मनमानी की है। पार्टी की राज्य परिषद के लिए कोई चुनाव नहीं हुआ है। ऐसे में नामांकन पत्र में राज्य परिषद के किस सदस्य का प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर लिया जाता? उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत पार्टी के आलाकमान तक पहुंचाई जाएगी।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, चार की मौत, 6 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। अमरोहा में एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की इमारत और टीनशेड पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई है। 12 से अधिक गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

पटाखा फैक्ट्री अतरासी गांव से 2 किमी दूर जंगल में संचालित की जा रही थी। फैक्ट्री में सुबह करीब 25 महिला और पुरुष काम कर रहे थे। इसी दौरान किसी मजदूर के बच्चे ने फुलझड़ी जला दी। इसके बाद पास में रखे पटाखे और बारूद में आग लग गई। करीब 15 मिनट तक ब्लास्ट होता रहा। धमाके के बाद फैक्ट्री का मलबा 300 मीटर दूर तक फैल गया। कई मजदूर मलबे में दब गए। धमाके की आवाज और धुआं उठता देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिला प्रशासन और पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचीं। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। डीएम- निधि गुप्ता और एसपी अमित कुमार आनंद मौके पर मौजूद हैं। फायर ब्रिगेड की टीम राहत और बचाव कार्य जुटी है। स्थानीय निवासी समीर ने बताया कि मैं दोपहर में घर पर बैठा था। टायर फटने की आवाज सुनाई दी। हम लोग घर से बाहर निकल कर आए तो देखा हर तरफ काला काला धुआं फैला हुआ था। हम लोग धुएं की तरफ दौड़े हुए गए। वहां पहुंचा तो पूरी फैक्ट्री टूट गई थी। वहां काम करने वाले मजदूर मलबे में दबे हुए थे। हम लोग घायलों को बचाने में जुट गए। फैक्ट्री 2 साल से चल रही थी। यहां 20-25 मजदूर काम करते थे।

अमरोहा में फुलझड़ी से लगी आग, दूर तक फैला मलबा

कई किलोमीटर तक सुनाई दी धमाके की गूंज

धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास के गांवों में भय और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्री में पिछले कई दिनों से अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही और मिलीभगत के आरोप भी लगाए हैं।

बिना अनुमति चल रही थी फैक्ट्री

पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही डीएम-एसपी घटनास्थल पर पहुंचे। जांच में सामने आया है कि यह पटाखा फैक्ट्री बिना लाइसेंस और सुरक्षा इंतजाम के चलाई जा रही थी। अधिकारियों ने पूरे इलाके को सील कर दिया हैद। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार फैक्ट्री हापुड़ निवासी व्यक्ति की बताई जा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।